महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः

देवासमार्गः,उज्जैनम् (म.प्र.) 456010

पर्यटक मार्गदर्शन

पत्रोपाधि परीक्षा पाठ्यक्रम

2022-2023

संस्कृतसाहित्यविभागः

वेदवेदाङ्गसाहित्यसङ्कायः

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः, देवासमार्गः,उज्जैनम् (म.प्र.)

अणुसंकेतः - regpsvvmp@rediffmail.com, **अन्तर्जालपुटम्** - www.mpsvv.ac.in

विभागाध्यक्ष
संस्कृत साहित्य एवं दर्शन विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

पत्रोपाधिपरीक्षापाठ्यक्रमः

विषयः- पर्यटक मार्गदर्शन

2022-2023

नियमावलिः

1. **पाठ्यक्रमस्वरूपम्-**

अयं एकवार्षिकः पाठ्यक्रमः विद्यते। पाठ्यक्रमेऽस्मिन् चत्वारि प्रश्नपत्राणि भविष्यन्ति। तेषु प्रथमं द्वितीयञ्च सैद्धान्तिकम्,तृतीयं प्रायोगिकं चतुर्थञ्च परियोजना प्रतिवेदनात्मकं भविष्यति। पाठ्यक्रमे प्रतिपत्रं पूर्णाङ्काः शताङ्काः(100) निर्धारिताः। तेषु त्रिशदङ्कानाम्(30) आन्तरिकं मूल्याङ्कनं भविष्यति। एवञ्च सप्तति (70) - अङ्कानां बाह्यपरीक्षा(सैद्धान्तिकपरीक्षा) भविष्यति।

2- प्रवेशनियमाः-

एकवर्षीयेस्मिन् पाठ्यक्रमे प्रवेशार्हता मध्यप्रदेशशासनद्वारामान्यताप्राप्तद्वादशीकक्षा(12वीं) तत्समकक्षापरीक्षा वा विद्यते।

3-परीक्षायोजना-

परीक्षायाः माध्यमं हिन्दी भविष्यति। परीक्षायां उत्तीर्णार्थं प्रतिप्रश्नपत्रं 36% अङ्काः अपेक्ष्यन्ते।

4. प्रश्नपत्रनिर्माणयोजना -

निम्नानुसारं त्रिविधाः प्रश्नाः भविष्यन्ति। तत्र प्रत्येकप्रश्ने एको विकल्पोऽनिवार्यः ।

क्रमः	प्रश्नप्रकारः	प्रश्नसंख्या	अंकः	योगः
1	बहुविकल्पीयाप्रश्नाः	5	1	5
2	लघूत्तरीयप्रश्नाः	5	3	15
3	दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः	5	10	50
4	आन्तरिकमूल्याङ्कनम्	1	1	30
5	योग	.....	.....	100

विभागाध्यक्ष
संस्कृत साहित्य एवं दर्शन विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

5. श्रेणिनिर्धारणम्-

पत्रोपाधिपरीक्षायां प्राप्ताङ्कानां योगाधारेण निम्नलिखितरूपेण श्रेणिनिर्धारणं भविष्यति।

(क)-षष्टिः(60%) प्रतिशतम्, ततो वा अधिकाङ्कानां च प्राप्या प्रथमश्रेणिनिर्धारणम् ।

(ख)- पञ्चचत्वारिंशत् (45%) प्रतिशतं ततो वा अधिकाङ्कानां किन्तु षष्टिः(60%) प्रतिशतमङ्केभ्यो न्यूनाङ्कानो प्राप्याश्च द्वितीयो श्रेणिनिर्धारणम् ।

(ग)- 36% प्रतिशतं ततो वा अधिकाङ्कानां किन्तु 45% प्रतिशतमङ्केभ्यो न्यूनाङ्कानां प्राप्या च तृतीयश्रेणिनिर्धारणम् ।

(घ) परीक्षाफलप्रकाशने ग्रेडिंगपद्धतेः अनुसरणं करिष्यते।

6. ग्रेडिंगपद्धतिः-

CONVERSION OF MARKS INTO GRADE AND GRADE POINT				CLASSIFICATION (SGPA/UGPA/CGPA GRASING)	
MARKS OBTAINED	GRADE	GRADE POINT	DESCRIPTION	CGPA	CLASS
Above 90%	O	10	Outstanding	9.01 to 10.00	First Class with distinction
80.1 to 90% Marks	A+	9	Excellent	8.01 to 9.00	First Class with distinction
70.1 to 80% Marks	A	8	Very Good	7.01 to 8.00	First Class
60.1 to 70% Marks	B+	7	Good	6.01 to 7.00	First Class
55.1 to 60% Marks	B	6	Above Average	5.51 to 6.00	Second Class
50 to 55% Marks	C	5	Average	5.00 to 5.50	Pass
<50% Marks	F	0	Dropped	Less than 5.00	Fail

विभागाध्यक्ष
संस्कृत साहित्य एवं दर्शन विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

पत्रोपाधिपरीक्षाकार्यक्रमः

परीक्षा-योजना

विषयकोडः	पाठ्यक्रम-कोडः	पाठ्यक्रमनाम	पाठ्यक्रम क्रेडिटः	प्रति सप्ताह अध्ययन कालांशः	बाह्यपरीक्षा -अङ्काः	आन्तरिकमूल्यांकन - अङ्काः	सम्पूर्णांकाः
SSPMD101	CC 1	पर्यटनः- अवधारणाएं, सिद्धान्त और नीतियाँ	05	3Hrs	70	30	100
SSPMD102	CC 2	पर्यटन आतिथ्य प्रबन्धन	05	3Hrs	70	30	100
SSPMD103	CC 3	प्रायोगिक	05	3Hrs	70	30	100
SSPMD104	CC4	परियोजना प्रतिवेदन	05	3Hrs	70	30	100
		TOTAL	20	12	280	120	400

Note- CORE COURSE (CC),

Code full form- SSPD- SANSKRIT,SAHITYA, PARYATAK,MARGDARSHAN, DIPLOMA

उद्देश्यानि-

- विभिन्न पर्यटक स्थलों से छात्रों को परिचित कराना।
- मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक ऐतिहासिक विरासतों का ज्ञान कराना।
- भौगोलिक ज्ञान कराना।
- मध्यप्रदेश के विविध धार्मिक स्थलों का परिचय कराना।
- पर्यटन की नीतियों तथा सिद्धान्तों का ज्ञान कराना।

विभागाध्यक्ष
संस्कृत साहित्य एवं दर्शन विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

पत्रोपाधिपाठ्यक्रमः

पर्यटक मार्गदर्शन

भाग-अ परिचयः

1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः-	CC1	सत्रम् -2022-2023
2.	प्रश्नपत्रस्य कूटः/ शीर्षकः	**SSPMD 101/ पर्यटनः- अवधारणाएं, सिद्धान्त और नीतियाँ -प्रथमप्रश्नपत्रम्**	
3.	पाठ्यक्रमस्य प्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(core course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	एकवर्षीयेस्मिन् पाठ्यक्रमे प्रवेशार्हता मध्यप्रदेशशासनद्वारामान्यताप्राप्तद्वादशीकक्षा(12वीं) तत्समकक्षापरीक्षा वा विद्यते।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	1. पर्यटनविषयकं परिज्ञानं भविष्यति। 2. वैश्विकधरोहरस्य ज्ञानं भविष्यति। 3. पर्यटननीतेः सिद्धान्तानां च ज्ञानं भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	5	
7.	पूर्णांकाः-	100	उत्तीर्णांकाः-36

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहं पञ्चकालांशाः)

सम्पूर्णव्याख्यानकालः- षष्टिहोरात्मकः(60 hours)

ईकाई	विषयः	अङ्काः
ईकाई01	पर्यटन इतिहास, परिभाषा, प्रकृति, महत्व, पर्यटन के रूप में आगन्तुक, पर्यटक, और भ्रमणवादी को परिभाषित करना।	14
ईकाई 02	भारत में पर्यटन का विकास , मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटक स्थल	14
ईकाई03	पर्यटन के प्रभाव- सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों का अध्ययन	14
ईकाई04	विश्व में पर्यटन के रुझान और इसके भविष्य के अध्ययन।	14
ईकाई05	पर्यटन नीति और राष्ट्रीय कार्ययोजना,	14

भाग-स अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रन्थाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1- पर्यटन विकास, सिद्धान्त और व्यवहार (ए.के. भाटिया) स्टार्लिंग पब्लिशर्स नई दिल्ली

2.पर्यटन- अतीत, वर्तमान,और भविष्य (बुकार्ट और मैडलिक) लन्दन

3.पर्यटन प्रबन्धन(वहाब एस.बी.)

विभागाध्यक्ष
संस्कृत साहित्य एवं दर्शन विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

Suggested equivalent online courses:-

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द अनुशंसितमूल्याङ्कनविधिः

अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः- लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः,वाग्व्यवहारविधिः, वस्तुनिष्ठप्रशनः,लघुत्तरीयप्रश्ननिर्माणेन भविष्यति

पूर्णाङ्काः: 100

सततव्यापकमूल्याङ्कनाङ्काः (CCE) 30

विश्वविद्यालयीयपरीक्षाङ्काः (UE) 70

समयः : 03:00 घण्टा

आन्तरिकमूल्याङ्कनम् सततव्यापकमूल्याङ्कनम् (CCE)	**कक्षा परीक्षणम्**	
	Assignment/ प्रस्तुतिकरणम्/लिखितपरीक्षा/साक्षात्कारविधिः/ वाग्व्यवहारविधिः	
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ – पञ्चबहुविकल्पीयप्रश्नाः	5 × 1= 5
	अनुभाग ब – पञ्च लघूत्तरीयप्रश्नाः प्रत्येकं द्विशतशब्दाः (200 words)	5 × 3= 15
	अनुभाग स –पञ्च दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः प्रत्येकं पञ्चशतशब्दाः (500 words)	5 × 10 =50
	योगः	70

विभागाध्यक्ष
संस्कृत साहित्य एवं दर्शन विभाग
र्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

भाग-अ परिचय:			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः-	CC2	सत्रम् -2022-2023
2.	प्रश्नपत्रस्य कूटः/ शीर्षकः	**SSPMD102, पर्यटन तथा आतिथ्य प्रबन्धन –द्वितीयप्रश्नपत्रम्**	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(core course)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	1. विश्वविद्यालयानुदानायोगनवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य बी.ए.(संस्कृत)/ शास्त्रिपरीक्षोत्तीर्णः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णो वा एम.ए. संस्कृतपरीक्षायां प्रवेष्टुमर्हति ।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	1.प्रबन्धविषयकस्यावबोधो भविष्यति। 2.आतिथ्यसत्कारस्य ज्ञानं भविष्यति। 3. आवासादिकस्य ज्ञानं भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	5	
7.	पूर्णांकाः-	100	उत्तीर्णांकः-36

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहं पञ्चकालांशाः)

सम्पूर्णव्याख्यानकालः-षष्टिहोरात्मकः (60 hours)

ईकाई	विषयः	अङ्कः
ईकाई 1	पर्यटक मार्गदर्शक के गुण, योग्यता, कार्य, मन्दिरप्रबन्धन के मूलभूत तत्त्व।	14
ईकाई 2	श्री महाकालेश्वर उज्जैन तथा ओंकारेश्वर का विस्तृत परिचय।	14
ईकाई 3	आतिथ्य प्रबन्धनः- उपलब्ध आवास प्रकार, होटलों की विभिन्न श्रेणियां, स्टार वर्गीकरण ,होटल के विभिन्न विभाग और उनकी जिम्मेदारियां,भारतीय आतिथेय परम्परा।	14
ईकाई 4	मध्यप्रदेश के ऐतिहासिक,धार्मिक,तथा सांस्कृतिक पर्यटक स्थलों का पहुंचमार्ग तथा वहाँ अवसीय व्यवस्था का परिज्ञान।	14
ईकाई 5	मध्यप्रदेश के वन्यपर्यटक स्थल(अभयारण्य) का समग्र परिचय।	14

भाग-स अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1- प्रबन्धन की अनिवार्यता (हेरोल्ड कोन्टज् और एच. वेरिच)

2. प्रबन्ध के सिद्धान्त (पीटर एफ ड्रकर)

3. उज्जयिनी और महाकाल (भगवतीलाल राजपुरोहित)

4. मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थल

5. मध्यप्रदेश का सांस्कृतिक इतिहास

विभागाध्यक्ष
संस्कृत साहित्य एवं दर्शन विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

Suggested equivalent online courses:

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः

अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः- लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः,वाग्व्यवहारविधिः, वस्तुनिष्ठप्रशनः,लघुत्तरीयप्रश्ननिर्माणेन भविष्यति

सम्पूर्णाङ्कः: 100

सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE) 30

विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE) 70

समयः : 03:00 घण्टा

आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE):	कक्षा परीक्षणम्	
	Assignment/ प्रस्तुतिकरणम्	
	सम्पूर्णांकः	
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ – पञ्च बहुविकल्पीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चाशत् शब्दाः) (50)	5 × 1= 5
	अनुभाग ब – पञ्च लघुत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं द्विशतशब्दाः) (200)	5 × 3= 15
	अनुभाग स –पञ्च दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चशतशब्दाः) (500)	5 × 10 =50
	सम्पूर्णङ्कः	70

विभागाध्यक्ष

संस्कृत साहित्य एवं दर्शन विभाग

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

उज्जैन (म.प्र.)